

ग्रसाघारण

EXTRAORDINARY

भाग II — सर्व 3 —— उपस्तव (ii) PART II — Section 3 —— Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 385)

नई दिल्ली, वृहस्पितवार, ग्रास्त 24, 1972/भाव 2, 1894

No. 3851

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 24, 1972/BHADRA 2, 1894

इस नाम ने भिन्न नुष्ठ गंख्या ही जाती है जिससे कि यह ग्रसम संकलन के कप में एका जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 24th August 1972

S.O. 564(E)/18A/IDRA/72.—Whereas the Central Government is of the that the Bihar Cooperative Weavers' Spinning Mills Ltd., Mokameh (Bihar), an industrial undertaking in respect of which an investigation has been made under Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) is being managed in a manner highly detrimental to public interest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 18A of the said Act, the Central Government hereby authorises National Textile Corporation Ltd., (hereinafter referred to as Authorised Controller) to take over the management of the whole of the said undertaking, namely the Bihar Cooperative Weavers' Spinning Mills Ltd., Mokameh subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) The Authorised Controller shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government,
- (ii) The Authorised Controller shall hold office for five years from the date of publication in the official gazette of this notified order.
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the Authorised Controller earlier, if it considers it necessary to do so.

This order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the official gazette

[No. F.3/31/72-C.U.C.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

भौद्योगिक विकास मंत्रालय

म्रादेश

नई दिल्ली, 24 घगस्त, 1972

का० मा० 564(म)/18क/माई०डी०मार०ए०/72.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि बिहार कापरेटिव वीवर्स स्पिनिंग मिल्स लि०, मुकामेह (बिहार)नामक श्रौद्योगिक उपक्रम का, जिस के संबंध में उपयोग (विकास तथा विनियमन) प्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के स्रधीन एक जांच की गई है, प्रबन्ध इस ढंग से किया जा रहा है जो सार्वजनिक हित में ही श्रहितकर है;

श्रतः श्रव उपरोक्त श्रधिनियम की धारा 18क द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि० (इसनें जिसे एनदोपरान्त प्राधिकृत नियंत्रक कहा जायगा) को विहार वीवर्स निपनिंग मिल्स लि० मुकामेह नामक उक्त संपूर्ण उपक्रम का प्रवद्रध अपने अधिकार में लेने के लिए, निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन एतदद्वारा प्राधिकृत करती है, अर्थात :——

- (1) प्राधिकृत नियंत्रक, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गए निदेशों का पालन करेगा ;
- (2) प्राधिकृत नियंत्रक इस प्रधिसूचित भादेण के सरकारी राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष तक की श्रवधि के लिए पद धारण करेगा , भौर
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना भ्रावश्यक समझेगी, तो उससे पूर्व भी इस प्राधिकृत नियन्त्रक की नियक्ति को समाप्त कर सकती है ।

यह आदेश सरकारी राजपत्न में इसके प्रकाशित होने की तारीखासे आरम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

> [सं० फा० 3/31/72-प्री० यू० सी०] के० एस० भटनागर, संयुक्त सचित्र।